डॉ विरिंदर शर्मा, सदस्य तकनीकी, सीएक्यूएम

व्यवसाय:

- डॉ. विरिंदर शर्मा वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) में पूर्णकालिक सदस्य (तकनीकी) हैं।
- डॉ. शर्मा का 30 से अधिक वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय विकास विशेषज्ञ के रूप में एशियाई विकास बैंक में पेशेवर, तकनीकी, और प्रबंधन का अनुभव (एडीबी), विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय अंतर्राष्ट्रीय विकास (एफसीडीओ) / अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग डीएफआईडी यूके सरकार और भारत सरकार का विशेष अनुभव है।
- नीति डिजाइनिंग, रणनीतिक योजना, शासन सुधार, निधि संग्रहण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, जैव विविधता और ग्रामीण आजीविका पर विशेषज्ञता हासिल है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव:

- कार्यक्रम प्रबंधक के रूप में, एडीबी द्वारा प्रशासित मल्टी डोनर $150m का नेतृत्व किया जो कि शहरी जलवायु परिवर्तन रेजिलिएंस ट्रस्ट फंड (यूसीसीआरटीएफ) यूके एफसीडीओ, स्विस एसईसीओ रॉकफेलर फाउंडेशन द्वारा समर्थित है। एफसीडीओ के वरिष्ठ जलवायु परिवर्तन सलाहकार के रूप में, एडीबी मनीला में सतत विकास और जलवायु परिवर्तन विभाग में 2015-2022 तक प्रमुख शहरी विकास विशेषज्ञ रहे।
- 45 परियोजनाओं के कार्यान्वयन का प्रबंधन करने वाले 10 तकनीकी पेशेवरों की एक टीम का आठ देशों में 25 एशियाई शहरों (बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, नेपाल, वियतनाम, म्यांमार, इंडोनेशिया और फिलीपींस) में नेतृत्व किया |
- डीएफआईडी केन्या में सतत आर्थिक विकास के उप प्रमुख के तौर पर सेवा की और केन्या पर्यावरण, जल और प्राकृतिक संसाधन दाता समन्वय समूह के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया|

- हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार में प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में कार्य किया; और स्वतंत्र निदेशक- शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) निदेशक मंडल में सेवा की।
- भारत, केन्या और फिलीपींस में काम किया और जटिल और नवीन विकास परियोजनाओं को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए यूके, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका के कई देशों में अग्रणी बहुक्षेत्रीय टीमों के नेतृत्व का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है।

शिक्षा:

- एम.एससी. और एम.फिल. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से बायो-साइंसेज (ट्रिपल गोल्ड पदक विजेता) पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और न्यू कैसल अपॉन टाइन यूनिवर्सिटी, यूके से पर्यावरण विज्ञान में पीएच.डी की उपाधि ग्रहण की |
- भारत में योजना आयोग टास्क फोर्स के सदस्य। भारत के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में तकनीकी समितियाँ के सदस्य । 2000 में पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्राप्त किया |
- यूके इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजी के चार्टर्ड सदस्य और यूके के पर्यावरण प्रबंधन और मूल्यांकन संस्थान (आईईएमए) में एसोसिएट पर्यावरण लेखा परीक्षक रहे । हिमालयी जैव विविधता, पर एक किताब प्रकाशित की एवं 28 वैज्ञानिक अनुसंधान लेखों, कई तकनीकी रिपोर्टों और लोकप्रिय लेखों में योगदान दिया |